आखरी समय में हम करीब हो न हो भजन लिरिक्स

आखरी समय में हम करीब हो न हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

जब तक तन में ये सांस रहेगी,
थोड़ी सी ये मिटटी मेरे पास रहेगी,
क्या पता ये धाम नज़दीक हो न हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

तेरे धाम की ये मिटटी बड़ी ही महान,
इसके तो कण कण में है मेरा श्याम,
इससे अच्छा मेरा ये नसीब हो न हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

लाखों लाखों भक्तों के पाँव पड़े हैं,
बरसों से इसमें मेरे श्याम खड़े है,
अगले जनम में ये गरीब हो ना हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

'बनवारी' मेरा ये नसीब खुल जाए,
तेरी मिटटी में ये मेरी मिटटी मिल जाए,
नाम मेरा भक्तों में शरीक हो ना हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

आखरी समय में हम करीब हो न हो,
मिट्टी खाटू धाम की नसीब हो न हो।bd।

Singer – Mukesh Goel

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com